विद्याभवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

विषय-हिंदी ***दिनांक-08/07/2020***
वर्ग- पंचम ***विषय-शिक्षिका— नीतू कुमारी***
(N.C.E.R.T. पर आधारित)
चेतक

सुप्रभात बच्चों,

पिछली कक्षा में आपने चेतक कविता का भावार्थ जाना। हमें पूर्ण विश्वास है कि आप अध्ययन-सामग्री पूरे मनोयोग से पढ़े होंगे। आज की कक्षा में आपको उसी कविता का प्रश्नावली हल करना है। जो कि इस प्रकार है:—

1.दीर्घ उत्तरीय प्रश्न:—

(क) इस कविता में किसकी महिमा का गुणगान किया गया है और क्यों?
(ख) चेतक की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
(ग) चेतक ने रण के बीच क्या दिखलाया कि शत्रु समाज दंग रह गया
(घ) चेतक की 'बढ़ते नद-सा' क्यों कहा गया है?
(ड़) चेतक ने अपना कौशल कहाँ-कहाँ दिखलाया

2. प्रसंग सहित सरलार्थ लिखिए:

(क) गिरता ने कभी चेतक-तन पर,
राणा प्रताप का कोड़ा था।
वह दौड़ रहा अरि-मस्तक पर,
या आसमान पर घोड़ा था।

_____
_____

(ख) बढ़ते नद-सा वह लहर गया,
वह गया, गया फिर ठहर गया।
विकराल वज्रमय बादल-सा,
अरि सेना पर क़हर गया।

_____
_____

3.अर्थग्रहण सम्बंधी प्रश्न:—

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। :—

जो तनिक हवा से बाग़ हिली,
लेकर सवार उड़ जाता था।
राणा की पुतली फिरि नहीं,
तब तक चेतक मुड़ जाता था।

(क) इस कविता का नाम तथा इसके रचयिता का नाम लिखिए।

कविता का नाम-_____
कवि का नाम-_____

(ख) महाराणा प्रताप के घोड़े की बाग़ हिलने पर उसका क्या असर दिखाई देता था?

_____
_____

*(ग) चेतक कौन था?*_____

*(घ) चेतक को मुड़ने में कितनी देर लगती थी?*_____

बच्चों, आज के लिए इतना ही, शेष अगली कक्षा में।

गृहकार्य :—

बच्चों, इस प्रश्नावली को अपनी उत्तर-पुस्तिका में शुद्ध-शुद्ध तथा सुंदर अक्षरों में हल करें।